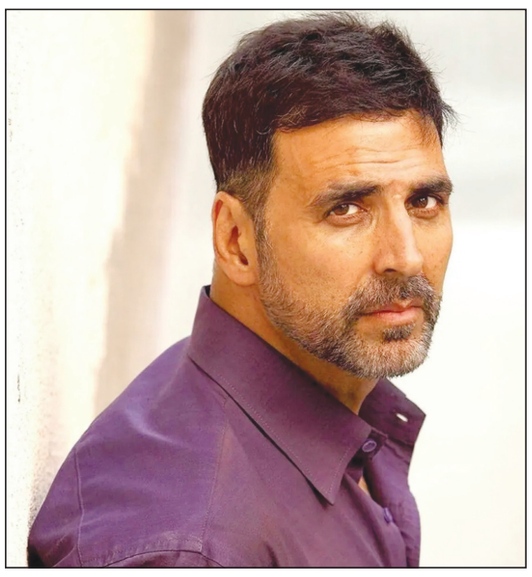

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई फिल्म 'भूत बंगला'

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है. अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी 14 साल बाद 'भूत बंगला' के साथ एक बार फिर वापस लौटी है. फिल्म ने 16 अप्रैल को पेड प्रिव्यूज के साथ थिएटर्स में दस्तक दी थी. फिल्म ने पेड प्रिव्यूज से 3.75 करोड़ की कमाई की.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार 'भूत बंगला' में पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 84.40 करोड़ की कमाई की. फिल्म ने आठवें दिन 5.75 करोड़ और नवें दिन 10.75 करोड़ का कारोबार किया है. इस तरह

'भूत बंगला' ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है.

केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत 'भूत बंगला', में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर की अहम भूमिका है. यह फिल्म प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई है.

5 साल से अटकी कंगना की 'सीता'

फिल्म इंडस्ट्री में कई बार बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा तो हो जाती है, लेकिन वे समय पर पूरी नहीं हो पाते. कंगना रनौत की फिल्म 'सीता- द इनकार्नेशन' भी अब इसी सूची में शामिल होती नजर आ रही है.

सितंबर 2021 में कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान किया था. उस वक्त रिलीज हुए फर्स्ट लुक पोस्टर में उन्होंने माता सीता के किरदार की झलक दिखाई थी, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए थे. यह फिल्म सिर्फ एक बॉलीवुड प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक पैन इंडिया रिलीज के तौर पर तैयार की जा रही थी, जिसे हिंदी के साथ-साथ कई दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाना था.

फिल्म का निर्देशन अलौकिक देसाई के हाथों में था, जबकि कहानी को केवी विजयेंद्र प्रसाद जैसे दिग्गज लेखक ने लिखा था, जो 'बाहुबली' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. इतने बड़े नामों के जुड़ने के बावजूद फिल्म की प्रगति को लेकर कोई खास जानकारी सामने नहीं आई.

समय के साथ-साथ यह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे चर्चा से भी गायब होता चला गया. अब पांच साल बाद भी इसकी रिलीज डेट तय नहीं हो पाई है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म फिलहाल ठंडे बस्ते में है. हालांकि, इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, मेकर्स इसे एक भव्य स्तर पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं और संभव है कि 2027 में इससे जुड़ा कोई बड़ा अपडेट सामने आए.

वहीं, कंगना रनौत के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं. इनमें भारत भाग्य विधाता, तनु वेड्स मनु 3 और उनकी सुपरहिट फिल्म क्वीन के सीक्वल जैसी फिल्में शामिल हैं. ऐसे में अब देखना दिलचस्प होगा कि 'सीता- द इनकार्नेशन' आखिरकार सिनेमाघरों तक पहुंच पाती है या नहीं, या फिर यह फिल्म सिर्फ एक अधूरी घोषणा बनकर रह जाएगी.

हर दिन एक नया सपना : श्वेता

अभिनेत्री और फिल्मकार श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि वर्ष 2026 उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे वह एक साथ कई सपने जी रही हैं.

श्वेता त्रिपाठी के लिए 2026 सिर्फ ज़्यादा काम करने का साल नहीं है, बल्कि ऐसे काम करने का है जो उनके दिल के करीब हों और मायने रखते हों. जहां दर्शक मिर्ज़ापुर: द मूवी का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं श्वेता एक नए सफर की शुरुआत कर रही हैं, एक ऐसा सपना जिसे वह लंबे समय से जीना चाहती थीं, अपनी कहानियां खुद बनाना. अभिनय के साथ-साथ अब वह अपने प्रोडक्शन हाउस पर भी ध्यान दे रही हैं और अपनी पहली फिल्म बतौर निर्माता 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' पर काम कर रही हैं. यह एक खूबसूरत और संवेदनशील समलैंगिक प्रेम कहानी है, जिससे वह खुद को बहुत जुड़ा हुआ महसूस करती हैं.साथ ही, थिएटर आज भी उनका सबसे मज़बूत सहारा है. वह न सिर्फ परफॉर्म कर रही हैं, बल्कि अपने प्ले 'कॉक' को उसके आखिरी शो के लिए वापस मंच पर ला रही हैं. वह उसी जुनून और जिज्ञासा के साथ थिएटर में लौट रही हैं, जिसने उन्हें पहली बार एक्टिंग की दुनिया से जोड़ा था.

श्वेता त्रिपाठी ने कहा, '2026 ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक साथ कई सपने जी रही हूं. मैं आज भी वही एक्टर हूं जिसे सेट पर काम करने का उतना ही उत्साह होता है, लेकिन अब मैं यह भी सीख रही हूं कि अपनी खुद की कहानी बनाना कैसा होता है. 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' के ज़रिए हम एक ऐसी कहानी बताने की कोशिश कर रहे हैं जो सच्ची हो, सभी को साथ लेकर चले और दिल से जुड़ी हो. और जब भी मैं थिएटर में लौटती हूं, मुझे याद आता है कि मेरी शुरुआत कहां से हुई थी.

टेलीविजन हलचल

लक्ष्मी निवास ने पूरे किए 100 एपिसोड्स

ज़ी टीवी का फैमिली ड्रामा %लक्ष्मी निवास%, जिसे रश्मि शर्मा टेलीफिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है, ने 100 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं और अपने सफर में एक अहम पड़ाव हासिल किया है. 12 जनवरी 2026 को शुरू हुए इस शो ने अपनी दिल से जुड़ी कहानी एवं एक मिडिल क्लास भारतीय परिवार की सच्ची झलक के जरिए दर्शकों से खास जुड़ाव बनाया है, जहां सपने, जिम्मेदारियां एवं रिश्तों को बहुत सहज तरीके से दिखाया गया है.

कहानी लक्ष्मी एवं श्रीनिवास के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सालों तक अपने परिवार को अपनी इच्छाओं से पहले रखते हैं और रिटायरमेंट के बाद अपने घर का सपना पूरा करने की कोशिश करते हैं. उनका यह सफर रोजमर्रा की चुनौतियों, त्याग एवं रिश्तों की उलझनों को दिखाता है, जिससे यह कहानी दिल के करीब लगती है.

मानसी जोशी रॉय एवं राजेंद्र चावला जैसे कलाकारों से सजे इस शो ने अपनी सच्ची कहानी एवं दमदार अदाकारी के दम पर दर्शकों के दिल को छुआ है. 100 एपिसोड्स पूरे होने पर कलाकारों ने इस सफर को याद करते हुए दर्शकों का आभार जताया.

हिंदी ज़ी 5 पर 1 मई को द केरल स्टोरी 2

थिएटर में रिलीज़ के बाद काफी चर्चा बटोरने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2-गोज़ बियॉन्ड अब 1 मई को हिंदी ज़ी 5 पर रिलीज़ होने जा रही है. अपनी डिजिटल रिलीज़ के साथ, यह फिल्म और भी बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचने का लक्ष्य रखती है, ताकि इसकी प्रभावशाली और भावनात्मक कहानी देशभर के घरों तक पहुँच सके. अपने पहले भाग से आगे बढ़ते हुए, द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड इस बार राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल की तीन युवा महिलाओं की व्यक्तिगत ज़िंदगी की कहानियों पर ध्यान देती है. पहली नज़र में उनकी जिंदगियाँ अलग-अलग लगती हैं, लेकिन एक साझा अनुभव उन्हें जोड़ता है, जहाँ कहानी की शुरुआत भरोसे और प्यार से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह धोखे, नियंत्रण और अपने फैसलों पर अधिकार खोने तक पहुंच जाती है. असल में, यह फिल्म एक कड़ी और असहज सच्चाई की याद दिलाती है कि भावनात्मक कमजोरी का कैसे गलत फायदा उठाया जा सकता है. यह दिखाती है कि भरोसे का दुरुपयोग कितनी आसानी से हो सकता है.

कुणाल ने शेयर की दमदार बीटीएस तस्वीरें

अभिनेता कुणाल ठाकुर ने 'ग्लोरी' के सेट से कुछ शानदार बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका दमदार और सख्त अंदाज़ देखने को मिल रहा है.

इन तस्वीरों में उनका सख्त ट्रांसफॉर्मेशन साफ झलकता है, जो उनके किरदार की शारीरिक मेहनत और गहराई को दर्शाता है.

गौरतलब है कि स्लीवलेस ट्रेनिंग गियर में नजर आ रहे कुणाल ठाकुर की तराशी हुई बॉडी तुरंत ध्यान खींचती है, जो उनकी कड़ी तैयारी का सबूत है. उनकी मजबूत बाजुएं, सटीक पोस्चर और नियंत्रित बॉडी लैंग्वेज एक बॉक्सर की असली झलक पेश करती है. इसके साथ हाथों पर बंधी पट्टियां और बॉक्सिंग ग्लव्स उनके लुक को और भी वास्तविक

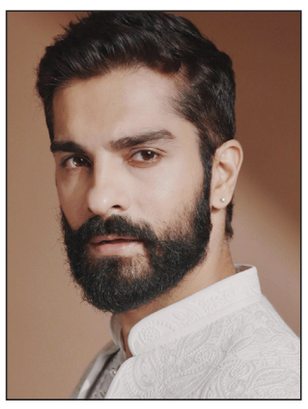

बनाते हैं, जिससे यह सिर्फ स्टाइल नहीं बल्कि पूरी तरह जिया हुआ किरदार लगता है.उनकी तैयारी के साथ उनका फोकस्ड, अडिग और पूरी तरह किरदार में डूबा हुआ एक्सप्रेशन भी उतने ही प्रभावशाली हैं, फिर वे चाहे किसी फेस-ऑफ में नजर आ रहे हों या सिर्फ एक पोज में खड़े हों, उनकी आंखों में एक धैर्यवान शांति के साथ गहराई भी नज़र आ रही है. इसके साथ ही उनके हल्के बिखरे बाल और घनी दाढ़ी इस रफ लुक को और मजबूत बना रही है.

एक अन्य तस्वीर में भिंची हुई मुट्ठियों के साथ कुणाल ठाकुर मुक्केबाज़ी के पोज में नजर आ रहे हैं, जो एक फाइटर की ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है. उनके कपड़ों पर पसीने के निशान हैं, जो उनके इस लुक को और प्रामाणिक बनाते हैं. अपने किरदार के लिए की गई इन छोटी-छोटी तैयारियों पर कुणाल ने जिस बारीकी से ध्यान दिया है, वो दिखाता है कि यह सिर्फ एक लुक नहीं बल्कि एक कठिन सफर की कहानी है.

करण जौहर का 'अल्फा मेल' पर तंज

फिल्म इंडस्ट्री में ट्रेंड्स का आना-जाना आम बात है, लेकिन जब यही ट्रेंड भेड़चाल का रूप ले ले, तो सवाल उठना लाजिमी है. करण जौहर ने हाल ही में बॉलीवुड में तेजी से बढ़ रहे 'अल्फा मेल' ट्रेंड को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है.

एक इंटरव्यू के दौरान करण ने कहा कि आजकल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली ज्यादातर फिल्में मेल-सेंट्रिक और हाइपर-मस्कुलिन होती जा रही हैं. इन फिल्मों में हीरो को एक खास अंदाज में पेश किया जाता है—वह स्लो मोशन में चलता है, चेहरे पर दाढ़ी होती है और अक्सर सिगरेट पीते हुए नजर आता है. करण ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे फिल्ममेकर्स को यही लगता है कि दर्शकों, खासकर पुरुषों को यही पसंद आता है.

उन्होंने आगे कहा कि किसी एक फिल्म की सफलता के बाद उसी तरह की कई फिल्मों का बनना इंडस्ट्री की सबसे बड़ी समस्या है. इससे न सिर्फ कहानियों की विविधता खत्म हो रही है, बल्कि दर्शकों को भी एक ही तरह का कंटेंट बार-बार देखने को मिल रहा है.

यंग इंडिया

731 पदों पर निकली स्टेनोग्राफर की भर्ती

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा स्टेनोग्राफर ग्रेड सी और ग्रेड डी भर्ती 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है. इस भर्ती के तहत कुल 731 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर है. आवेदन प्रक्रिया 24 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है और ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 रात 11 बजे तक निर्धारित की गई है. अभ्यर्थियों को सलाह दी जा रही है कि वे अंतिम तारीख का इंतजार न करते हुए समय पर आवेदन पूरा कर लें.

आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 100 रुपये रखा गया है, जबकि एससी, एसटी और सभी महिला उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क पूरी तरह से निशुल्क है. यदि किसी उम्मीदवार से आवेदन में गलती हो जाती है, तो सुधार के लिए 20 से 21 मई 2026 तक का समय दिया जाएगा, जिसमें पहली बार सुधार करने पर 200 रुपये और दूसरी बार 500 रुपये शुल्क देना होगा.

आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की गई है. ग्रेड डी के लिए अधिकतम आयु 27 वर्ष और ग्रेड सी के लिए 30 वर्ष रखी गई है. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट भी प्रदान की जाएगी. शैक्षणिक योग्यता के रूप में अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना अनिवार्य है.

चयन प्रक्रिया में सबसे पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी, जो जुलाई या अगस्त 2026 में आयोजित की जाएगी. इसके बाद चयनित उम्मीदवारों को कौशल परीक्षा देनी होगी.

स्टेनोग्राफी में ग्रेड डी के लिए अंग्रेजी में 50 मिनट और हिंदी में 65 मिनट का समय दिया जाएगा, जबकि ग्रेड सी के लिए अंग्रेजी में 40 मिनट और हिंदी में 55 मिनट का समय निर्धारित है. यह भर्ती न केवल रोजगार का अवसर प्रदान करती है, बल्कि युवाओं को सरकारी क्षेत्र में स्थिर करियर बनाने का भी मौका देती है. जो उम्मीदवार लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण मौका है.

सरकारी नौकरी की तैयारी के आसान टिप्स

आज के समय में सरकारी नौकरी पाना हर युवा का सपना बन चुका है, लेकिन सही दिशा में तैयारी न होने के कारण कई बार मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल पाती. अगर शुरुआत से ही सही रणनीति अपनाई जाए, तो यह लक्ष्य मुश्किल नहीं रहता.

सबसे पहले यह तय करें कि आपको किस क्षेत्र की नौकरी चाहिए. जैसे बैंकिंग, रेलवे, कर्मचारी चयन आयोग या राज्य स्तर की भर्तियां. हर परीक्षा का पाठ्यक्रम और पैटर्न अलग होता है, इसलिए एक लक्ष्य तय करके उसी के अनुसार तैयारी शुरू करें. बिना लक्ष्य के पढ़ाई करने से समय और मेहनत दोनों व्यर्थ जाते हैं.

तैयारी का दूसरा अहम हिस्सा है सही समय सारणी बनाना. रोज का एक तय रूटीन रखें जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ रिवीजन के लिए भी समय हो. कम से कम 6 से 8 घंटे की नियमित पढ़ाई जरूरी है. छोटे-छोटे टॉपिक में पढ़ाई को बांटने से समझ बेहतर होती है और बोझ भी कम लगता है.

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र हल करना बहुत जरूरी होता है. इससे परीक्षा का स्तर और पूछे जाने वाले सवालों का अंदाजा मिलता है. साथ ही मॉक टेस्ट देने की आदत डालें, इससे समय प्रबंधन मजबूत होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है.

करंट अफेयर्स पर खास ध्यान दें, क्योंकि लगभग हर सरकारी परीक्षा में यह भाग महत्वपूर्ण होता है. रोज अखबार पढ़ें और महत्वपूर्ण खबरों के नोट्स बनाएं. इससे इंटरव्यू के समय भी मदद मिलती है.

अच्छी किताबों और विश्वसनीय अध्ययन सामग्री का चयन भी जरूरी है. ज्यादा किताबों के बजाय सीमित और सही सामग्री पर ध्यान दें. बार-बार उसी को पढ़ने से विषय पर पकड़ मजबूत होती है.

तैयारी के दौरान धैर्य बनाए रखना सबसे जरूरी है. कई बार परिणाम आने में समय लगता है, लेकिन निरंतर मेहनत ही सफलता दिलाती है. बीच-बीच में छोटे ब्रेक लें और खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखें.

अगर आप इन आसान टिप्स को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो सरकारी नौकरी पाना एक हकीकत बन सकता है. सही दिशा, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है.

एनटीपीसी में 250 पदों पर भर्ती

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव ऑपरेशन भर्ती 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. इस भर्ती के तहत कुल 250 पदों पर नियुक्ति की जाएगी. यह उन युवाओं के लिए खास मौका है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं और सरकारी क्षेत्र में स्थिर नौकरी की तलाश में हैं. आवेदन प्रक्रिया 23 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है और ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 7 मई 2026 निर्धारित की गई है.

आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 500 रुपये रखा गया है, जबकि एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए शुल्क शून्य है. सभी महिला उम्मीदवारों को भी आवेदन शुल्क में छूट दी गई है. अभ्यर्थी शुल्क का भुगतान चालान माध्यम या ऑनलाइन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग के जरिए कर सकते हैं.

इस भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष तय की गई है. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी. शैक्षणिक योग्यता के रूप में उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक होना आवश्यक है. साथ ही कम से कम एक वर्ष का कार्य अनुभव भी अनिवार्य रखा गया है. रिक्तियों के वर्गवार विवरण पर नजर डालें तो सामान्य वर्ग के लिए 109 पद, ओबीसी के लिए 39 पद, ईडब्ल्यूएस के लिए 25 पद, एससी के लिए 42 पद और एसटी वर्ग के लिए 35 पद निर्धारित किए गए हैं.

युवाओं के लिए एक शानदार अवसर

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) ने डिप्लोमा ट्रेनी और जूनियर टेक्नीशियन ट्रेनी भर्ती 2026 के लिए अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती के तहत कुल 670 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जो तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए एक शानदार अवसर है. आवेदन प्रक्रिया 20 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है और ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 11 मई 2026 निर्धारित की गई है.

आवेदन शुल्क की बात करें तो सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए अलग-अलग पदों के अनुसार शुल्क तय किया गया है. सामान्य पदों के लिए 300 रुपये और आईटीटी सर्वे पद के लिए 200 रुपये शुल्क रखा गया है, जबकि एससी, एसटी और भूतपूर्व सैनिक वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन निशुल्क है. अभ्यर्थी शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग के माध्यम से कर सकते हैं.

आयु सीमा के अनुसार न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की गई है, जबकि अधिकतम आयु 27 वर्ष तय की गई है. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी. शैक्षणिक योग्यता के रूप में इलेक्ट्रिकल, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा होना अनिवार्य है. सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं, जबकि एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के लिए केवल उत्तीर्ण होना ही पर्याप्त है.

रिक्तियों का विवरण देखें तो डिप्लोमा ट्रेनी इलेक्ट्रिकल के लिए 479 पद, डिप्लोमा ट्रेनी सिविल के लिए 111 पद, डिप्लोमा ट्रेनी सर्वे के लिए 9 पद और जूनियर ऑफिस ट्रेनी मानव संसाधन के लिए 20 पद निर्धारित किए गए हैं.

चयन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी और प्रवेश पत्र परीक्षा से पहले जारी किया जाएगा.

यह भर्ती उन युवाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो डिप्लोमा करने के बाद सरकारी नौकरी की तलाश में हैं. पावर सेक्टर में काम करने का मौका न केवल स्थिर करियर देता है, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करता है. सही समय पर आवेदन और तैयारी के साथ उम्मीदवार इस मौके का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित